पावन स्मृति
2026



21 अक्टूबर, 2026

पुलिस स्मृति दिवस-2025 के अवसर पर पुलिस लाइन्स, लखनऊ में
मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0, श्री योगी आदित्यनाथ जी शहीद पुलिस कर्मियों
के परिजनों को सम्मानित करते हुए।



"इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना, रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने, ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।"

पुलिस स्मृति दिवस

2026

21 अक्टूबर, 2026

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



जन भवन
लखनऊ–226027
14 अक्टूबर, 2026

संदेश

21 अक्टूबर, 2026 को 'पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर मैं उन वीर पुलिसकर्मियों को शत–शत नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा, शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया । उनका अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी ।

उत्तर प्रदेश पुलिस अपनी गौरवशाली परंपरा के अनुरूप सजगता, अनुशासन एवं प्रतिबद्धता के साथ नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । पुलिसकर्मियों का समर्पण जनसामान्य में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को सुदृढ़ करता है ।

01 सितम्बर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 की अवधि में प्रदेश के छह पुलिसकर्मियों ने कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राण न्योछावर किए। मैं इन वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ तथा उनके परिजनों के प्रति संवेदना एवं सम्मान व्यक्त करती हूँ। उनका बलिदान राष्ट्रसेवा के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है ।

मुझे विश्वास है कि इन शहीदों की शौर्यगाथाएँ पुलिस बल को निर्भीकता एवं निष्ठा के साथ कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देती रहेंगी। आशा है कि 'पुलिस स्मृति दिवस–2026' के अवसर पर प्रकाश्य स्मारिका 'पावन स्मृति' वीर शहीद पुलिसकर्मियों के त्याग, साहस एवं कर्तव्यपरायणता की गाथाओं को जनमानस तक पहुँचाने तथा उनकी स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने में सार्थक भूमिका निभाएगी।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ



मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ–226001

दिनांक : 17 अक्टूबर, 2026

संदेश

पुलिस स्मृति दिवस के पावन एवं गौरवपूर्ण अवसर पर मैं कर्तव्यपथ पर राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी अमर शहीद पुलिसकर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। इन वीर सपूतों का अदम्य साहस, अटूट कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

उत्तर प्रदेश पुलिस का इतिहास शौर्य, अनुशासन, सेवा और समर्पण की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। प्रदेश की सुरक्षा, कानून–व्यवस्था बनाए रखने तथा जनसेवा के दायित्वों के निर्वहन में उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों ने सदैव अदम्य साहस, कर्तव्यपरायणता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। विषम परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों के प्रति अटूट निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने प्रदेश की शांति, सुरक्षा एवं नागरिकों के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

01 सितम्बर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक की अवधि में उत्तर प्रदेश पुलिस के 06 कर्मियों ने कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। इन वीर शहीदों का त्याग, साहस और कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा सम्पूर्ण प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उनका बलिदान हमें सदैव यह स्मरण कराता रहेगा कि राष्ट्र एवं समाज की सेवा सर्वोपरि है। उनकी शौर्यगाथाएँ भावी पीढ़ियों को कर्तव्यपथ पर निष्ठापूर्वक अग्रसर रहने तथा जनसेवा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देती रहेंगी।

उत्तर प्रदेश सरकार शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव हमारी स्मृतियों में अक्षुण्ण रहेगा। उनके परिजनों के सुख–दुःख में राज्य सरकार सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी तथा उनके कल्याण के लिए हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करने हेतु प्रतिबद्ध रहेगी।

'पुलिस स्मृति दिवस–2026' के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका 'पावन स्मृति' हमारे अमर शहीद पुलिसकर्मियों के अद्वितीय साहस, त्याग एवं कर्तव्यनिष्ठा की गौरवगाथाओं को जन–जन तक पहुँचाने के साथ–साथ उनके अमूल्य योगदान को चिरस्थायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह स्मारिका पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य में कर्तव्य के प्रति समर्पण, राष्ट्रसेवा एवं जनकल्याण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने की प्रेरणा बने, ऐसी मेरी कामना है।

(योगी आदित्यनाथ)

राजीव कृष्णा, आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश



मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0
सिग्नेचर बिल्डिंग
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ– 226002
फोन नं0 0522–2724003 / 2390240, **फैक्स नं0** 0522–2724009
सीयूजी नं0 9454400101
ई–मेल : police.up@nic.in
वेबसाईट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : 18 अक्टूबर, 2026

श्रद्धांजलि

प्रत्येक वर्ष **21 अक्टूबर** को **'पुलिस स्मृति दिवस'** उन वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। यह दिवस उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

पुलिस स्मृति दिवस की परंपरा 21 अक्टूबर, 1959 की उस ऐतिहासिक घटना से जुड़ी है, जब लद्दाख के दुर्गम एवं हिमाच्छादित क्षेत्र में नियमित गश्त पर निकले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवानों पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया। सीमित संसाधनों के बावजूद इन वीर जवानों ने साहसपूर्वक मुकाबला करते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनका शौर्य एवं बलिदान भारतीय पुलिस बल के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

01 सितम्बर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारतवर्ष में 154 पुलिसजनों ने कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान दिया। इनमें उत्तर प्रदेश के 06 पुलिसजन–उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, आरक्षी अशोक कुमार, आरक्षी प्रदीप कुमार, फायर सर्विस चालक तीर्थपाल सिंह एवं फायरमैन रोहित कुमार यादव सम्मिलित हैं। इन वीर शहीदों का साहस, त्याग एवं कर्तव्य के प्रति अटूट निष्ठा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश पुलिस बल के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है।

पुलिस सेवा अनुशासन, समर्पण एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विषम परिस्थितियों में भी नागरिकों की सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग एवं प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस पावन अवसर पर मैं अपनी तथा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार की ओर से सभी वीर शहीद पुलिसजनों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस उनके सम्मान, कल्याण एवं सहायता के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी।

(राजीव कृष्णा)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश।

पुलिस स्मृति दिवस–2026
कार्यक्रम

अपराह्न 3:55 बजे
परेड 'फाल इन'

अपराह्न 4:07 बजे
पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का आगमन

अपराह्न 4:15 बजे
मुख्य अतिथि का आगमन व अभिवादन

अपराह्न 4:21 बजे
स्मृति परेड

अपराह्न 4:45 बजे
पुष्प चक्र (रीथ) अर्पण

अपराह्न 4:57 बजे
शोक शस्त्र एवं मौन (2मिनट)

अपराह्न 4:59 बजे
मुख्य अतिथि व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.
की मंच पर वापसी

अपराह्न 5:00 बजे
मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

मुख्य अतिथि के सम्बोधन के उपरान्त
परेड समाप्ति



केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए 21 अक्टूबर सन् 1959 को शहीद हुए वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2026

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिसजन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिसजनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यों को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियाँ देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिसजन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से छियासठ वर्ष पुरानी है।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊँची बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रों के बीच जहाँ कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहाँ सदैव की भाँति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनियों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य स्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों तक का उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिसजन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

दिनांक 01 सितम्बर, 2025 से 31 अगस्त, 2026 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 154 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपनी जीवनाहुतियाँ दी गई हैं, जिसमें आंध्रप्रदेश–01, अरूणाचल प्रदेश–01, असम–06, बिहार–12, छत्तीसगढ़–06, गुजरात–02, हरियाणा–04, झारखण्ड–03, कर्नाटक–05, केरलम–01, मध्यप्रदेश–09, महाराष्ट्र–02, मणिपुर–01, पंजाब–02,

राजस्थान–05, तमिलनाडु–06, तेलंगाना–04, उत्तर प्रदेश–06, उत्तराखण्ड–01, पश्चिम बंगाल–05, दिल्ली–03, जम्मू कश्मीर–09, असम राइफल्स–06, बीएसएफ–25, सीआईएसएफ–04, सीआरपीएफ–02, आईटीबीपी–09, एसएसबी–05, फायर सर्विस, सिविल डिफेंस & होमगार्ड्स –01, आरपीएफ–08 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆



दिनांकः 01.09.2025 से 31.08.2026 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कार्मिकों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें–



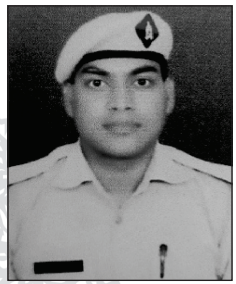
1. स्व0 मोहित कुमार यादव
उपनिरीक्षक ना0पु0,
पीएनओ–182372588
जनपद जालौन ।



2. स्व0 सत्यभान सिंह
उपनिरीक्षक ना0पु0,
पीएनओ–902260364
जनपद जालौन।



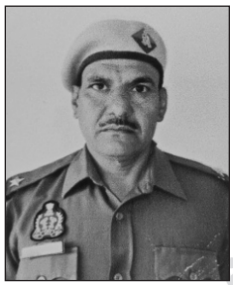
3. स्व0 अशोक कुमार,
आरक्षी ना0पु0,
पीएनओ–182371455
जनपद जालौन।



4. स्व0 प्रदीप कुमार
आरक्षी ना0पु0,
पीएनओ–182370016
जनपद जालौन।

दिनांकः 05.05.2026 को कोतवाली उरई, जनपद जालौन में मु0अ0सं0– 256/2026 धाराः 140(1)/305 बीएनएस के वादी श्री अमरीक सिंह की तहरीरी सूचना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया, जिसमें वादी के मौसेरे भाई बिजेन्दर सिंह को चार अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण करके ले जाने के आरोप के दृष्टिगत अपहृत की सकुशल एवं त्वरित बरामदगी के उद्देश्य से कोतवाली उरई से उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, आरक्षी अशोक कुमार एवं आरक्षी प्रदीप कुमार को रवाना किया गया था। यात्रा के दौरान के.एम.पी. हाइवे पर धुलावट टोल प्लाजा के पास थाना सदर तावरू, जनपद नूंह, हरियाणा में स्कोर्पियो गाड़ी के आगे जा रहे ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण उक्त सभी कर्मचारियों की दर्दनाक मृत्यु हो गयी। सरकारी कार्य निष्पादन के दौरान उपरोक्त पुलिस कर्मचारियों द्वारा सर्वोच्च बलिदान दिया गया है।

इस प्रकार उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव, उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, आरक्षी अशोक कुमार एवं आरक्षी प्रदीप कुमार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये शहीद हो गये।



5. स्व0 तीर्थपाल सिंह
फायर सर्विस चालक
पीएनओ–972650034
कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर



6. स्व0 रोहित यादव
फायरमैन
पीएनओ–162330146
कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

दिनांक: 04.08.2026 को रात्रि 3:28 बजे नोएडा के थाना ईकोटेक तृतीय क्षेत्रान्तर्गत मैसर्स–ईलजिन इलैक्ट्रोनिक्स प्रा0लि0 प्लाट न0–28 उद्योग केन्द्र–01 ईकोटेक–03 ग्रेटर नोएडा कम्पनी में भीषण अग्निकाण्ड की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल ही फायर स्टेशन ईकोटेक तृतीय ग्रेटर नोएडा से प्रथम टर्नआउट कराकर अग्निशमन वाहन (संख्याः यूपी–16 जी–0678) घटना स्थल के लिए रवाना किया गया, जिसके द्वारा घटना स्थल पर पहुँचकर तत्काल सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अग्निशमन कार्य प्रारम्भ किया गया एवं कुछ समय में ही अन्य फायर स्टेशनों की यूनिटों के पहुँचने पर समन्वित रूप से आग पर नियत्रंण हेतु निरन्तर प्रयास किया गया। आग के अत्यधिक विकराल एवं तीव्र होने के कारण अग्निशमन कार्य भवन के दोनों तरफ के बाहरी हिस्से से किया जा रहा था, इसी दौरान अग्निशमन कार्यवाही करते समय कम्पनी की दाहिनी दीवार अचानक से भर–भराकर बाहर की ओर सेटबैक में अग्निशमन वाहनों (संख्याः यूपी–32 ईजी–3482 एवं यूपी–16 जी–0678) के ऊपर गिर गई। जिससे अग्निशमन कार्य कर रहे कर्मचारीगण, फायर सर्विस चालक श्री तीर्थपाल सिंह, फायरमैन रोहित यादव, फायर सर्विस चालक श्री राजपाल सिंह, फायरमैन श्री मनीष कुमार तथा फायरमैन अमित मलबे के नीचे दब गए। मलबे में दबे सभी कार्मिकों को बाहर निकालकर उपचार हेतु सरकारी वाहनों व एम्बुलेंस से यथार्थ हास्पिटल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख भेजा गया। चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के उपरान्त फायर सर्विस चालक श्री तीर्थपाल

सिंह एवं फायरमैन श्री रोहित यादव को उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया गया तथा अन्य तीनों कर्मियों की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

इस प्रकार फायर सर्विस चालक श्री तीर्थपाल सिंह एवं फायरमैन श्री रोहित यादव अदम्य साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए जन–धन की सुरक्षा हेतु अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शहीद हो गये।

◆◆◆

Police Commemoration Day

October 21st, 2026

S.No.	Name (Late)	Rank
	ANDHRA PRADESH	
1.	K P R V N S PRASAD	HEAD CONSTABLE
	ARUNACHAL PRADESH	
2.	CHIKSENG MANPONG	HEAD CONSTABLE
	ASSAM	
3.	DULU MONI MEDHI	SUB-INSPECTOR
4.	SATYENDRA MALAKAR	SUB-INSPECTOR
5.	NABAJIT DAS	SUB-INSPECTOR
6.	JITEN CH BORAH	HAVALDAR
7.	SEVAK DUTTA	LANCE NAIK
8.	AMIYA SONOWAL	LANCE NAIK
	BIHAR	
9.	TAJ AHMAD KHAN	SUB-INSPECTOR
10.	MANU KUMAR	SUB-INSPECTOR
11.	RANA PRATAP MANDAL	SUB-INSPECTOR
12.	VIJAY RAM	SUB-INSPECTOR
13.	SAJAN PASWAN	SUB-INSPECTOR
14.	NEERAJ KUMAR	SUB-INSPECTOR
15.	GYANANAND AMRENDRA	SUB-INSPECTOR
16.	PURENDRA KUMAR SINGH	SUB-INSPECTOR
17.	ANIRUDDH KUMAR	ASST. SUB-INSPECTOR
18.	MUKESH KUMAR	CONSTABLE
19.	SRIRAM KUMAR YADAV	CONSTABLE
20.	DHEERAJ KUMAR	CONSTABLE
	CHHATTISGARH	
21.	SUKHRAM WATTY	INSPECTOR
22.	BADADI MOHAN	HEAD CONSTABLE
23.	PARMANAND KORRAM	CONSTABLE (BASTAR FIGHTER)
24.	SANJAY GADPALE	CONSTABLE (BASTAR FIGHTER)
25.	DUKARU RAM GONDE	CONSTABLE
26.	KRISHANA KUMAR KOMRA	CONSTABLE
	GUJARAT	
27.	AJIT P NANDE	ASST. SUB-INSPECTOR
28.	BIRENDRASINH GHANSHYAMSINH RAOL	CONSTABLE
	HARYANA	
29.	JAGDISH PRASHAD	INSPECTOR
30.	RAVI	SUB-INSPECTOR

S.No.	Name (Late)	Rank
31.	RAJENDER	ASST. SUB-INSPECTOR
32.	SUNIL KUMAR	ASST. SUB-INSPECTOR
	JHARKHAND	
33.	HEMANT BHAGAT	SUB-INSPECTOR
34.	SUNIL RAM	CONSTABLE
35.	SANTAN KUMAR MEHTA	CONSTABLE
	KARNATAKA	
36.	PANCHAYYA VEERAYYA SALIMATH	INSPECTOR
37.	BASAVARAJ M L	ASST. SUB-INSPECTOR
38.	BEERALINGA	HEAD CONSTABLE
39.	A M SALAMANATAPI	HEAD CONSTABLE
40.	ISMAIL	HEAD CONSTABLE
	KERALAM	
41.	SAJEESH K	SR. CIVIL POLICE OFFICER (GRADE)
	MADHYA PRADESH	
42.	AASHISH SHARMA	INSPECTOR
43.	ASHOK SHARMA	SUB-INSPECTOR
44.	MADANLAL NINAMA	ASST. SUB-INSPECTOR
45.	SARJAN SINGH BHIL	HEAD CONSTABLE
46.	PARIMAL SINGH TOMAR	HEAD CONSTABLE
47.	OM PRAKASH BHAVEDI	HEAD CONSTABLE
48.	VIKASH CHATURVEDI	CONSTABLE
49.	MAHESH PRASAD PATHAK	CONSTABLE
50.	AARTI PAL	CONSTABLE
	MAHARASHTRA	
51.	DEEPAK CHINNA MADAVI	CONSTABLE
52.	NAVALSING HAVLYA VASAVE	CONSTABLE
	MANIPUR	
53.	KHOIROM SURESH SINGH	HAVALDAR
	PUNJAB	
54.	JOGA SINGH	ASST. SUB-INSPECTOR
55.	GURNAM SINGH	ASST. SUB-INSPECTOR
	RAJASTHAN	
56.	JYOTI NAYAK	INSPECTOR
57.	SHER SINGH FOGAT	ASST. SUB-INSPECTOR
58.	BHINWA RAM	CONSTABLE
59.	BHAG CHAND SAINI	CONSTABLE
60.	PRAVEEN MEENA	CONSTABLE
	TAMIL NADU	
61.	P SELVAM	SPL. SUB-INSPECTOR
62.	P SURESHKUMAR	HEAD CONSTABLE
63.	R KUMARESAN	HEAD CONSTABLE

S.No.	Name (Late)	Rank
64.	T PRAVEEN	HEAD CONSTABLE
65.	R PANDIYAN	HEAD CONSTABLE
66.	M MAHESHKUMAR	HEAD CONSTABLE
	TELANGANA	
67.	D DEVI SINGH	ASST. SUB-INSPECTOR
68.	EMPALLY PRAMOD KUMAR	CONSTABLE
69.	GAJULA SOUMYA	CONSTABLE
70.	SHEELAM KAMALAKAR	CONSTABLE
	UTTAR PRADESH	
71.	MOHIT KUMAR YADAV	SUB-INSPECTOR
72.	SATYA BHAN SINGH	SUB-INSPECTOR
73.	ASHOK KUMAR	CONSTABLE
74.	PRADEEP KUMAR	CONSTABLE
75.	TIRATHPAL SINGH	FIRE SERVICE DRIVER
76.	ROHIT YADAV	FIREMAN
	UTTARAKHAND	
77.	VINOD KUMAR	SUB-INSPECTOR
	WEST BENGAL	
78.	RABIN BASAK	SUB-INSPECTOR
79.	JYOTISH DEBNATH	CONSTABLE
80.	SANJOY SIL	CONSTABLE
81.	RAMPADA MANDAL	CONSTABLE
82.	BISWAJIT RAY	CONSTABLE
	DELHI	
83.	ASHOK KUMAR	ASST. SUB-INSPECTOR
84.	MOHAR SINGH MEENA	CONSTABLE
85.	SANDEEP DAHIYA	CONSTABLE
	JAMMU & KASHMIR	
86.	SHAH ASRARUL HAQ	INSPECTOR
87.	DARSHAN KUMAR	SUB-INSPECTOR
88.	ASHAQ HUSSAIN QURESHI	HEAD CONSTABLE
89.	TARIQ AHMAD MIR	SELECTION GRADE CONSTABLE
90.	MOHD AMIN MIR	SELECTION GRADE CONSTABLE
91.	AIJAZ AFZAL MIR	SELECTION GRADE CONSTABLE
92.	ARSHID AHMAD SHAH	CONSTABLE
93.	JAVID MANSOOR RATHER	CONSTABLE
94.	AMJAD ALI KHAN	CONSTABLE
	ASSAM RIFLES	
95.	SHYAM GURUNG	NAIB SUBEDAR
96.	BALWANT SINGH	WARRANT OFFICER
97.	CHANDRA MOHAN SINGH	HAVILDAR
98.	MOHD IQBAL	HAVILDAR

S.No.	Name (Late)	Rank
99.	RANJEET SINGH KASHYAP	RIFLEMAN
100.	SIVAPRASAD S	RIFLEMAN
	BSF	
101.	KAPIL DEO SINGH	INSPECTOR
102.	BALBIR SINGH	SUB-INSPECTOR
103.	JAGE RAM	ASST. SUB-INSPECTOR
104.	DAYA KISHAN	ASST. SUB-INSPECTOR
105.	PAWAN KUMAR	ASST. SUB-INSPECTOR
106.	LAKHA SINGH	ASST. SUB-INSPECTOR
107.	HIMANSHU KUMAR	HEAD CONSTABLE
108.	AJAY KUMAR SINGH	HEAD CONSTABLE
109.	VINEET KUMAR DUBE	HEAD CONSTABLE
110.	CHANDAN GOGOI	HEAD CONSTABLE
111.	SHIV KUMAR RAJAK	HEAD CONSTABLE
112.	JAYANT KUMAR SINGH	HEAD CONSTABLE
113.	SANDEEP KUMAR	CONSTABLE
114.	DEEPAK KUMAR	CONSTABLE
115.	KHAGENDRA MAHAPATRA	CONSTABLE
116.	RAHUL SINGH	CONSTABLE
117.	ROMEN BARUAH	CONSTABLE
118.	AMBADAR SURESH DURGU	CONSTABLE
119.	AJAY KUMAR SOREN	CONSTABLE
120.	SUKHDEEP SINGH	CONSTABLE
121.	MITHUN MANDAL	CONSTABLE
122.	SUMIT NAUTIYAL	CONSTABLE
123.	MD TAIWAB HUSSAIN	CONSTABLE
124.	MAHENDRA KUMAR	CONSTABLE
125.	RAMESH KUMAR	CONSTABLE
	CISF	
126.	NARAHARISETTI ARJUNA SARADHI	ASST. SUB-INSPECTOR
127.	SHEKHAR B JAGADALE	HEAD CONSTABLE
128.	SATISH CHAND BHARTI	HEAD CONSTABLE
129.	TARAN PAL	CONSTABLE
	CRPF	
130.	KOUSHAL KUMAR MISHRA	INSPECTOR
131.	MAHENDRA LASKAR	HEAD CONSTABLE
	ITBP	
132.	RAGHUNATH SINGH BHATI	ASSISTANT COMMANDANT
133.	AMAR PRATAP SINGH	INSPECTOR
134.	PREETAM LAL	ASST. SUB-INSPECTOR
135.	RAJESH KUMAR	HEAD CONSTABLE

S.No.	Name (Late)	Rank
136.	KANAK COACH	HEAD CONSTABLE
137.	MAHASKE AMOL MADHAV RAO	CONSTABLE
138.	NORBOO CHHERING	CONSTABLE
139.	GAUTAM VISHWAKARMA	CONSTABLE
140.	GURDEV SINGH	CONSTABLE
	SSB	
141.	SAMARESH DAS	ASST. SUB-INSPECTOR
142.	BINOY PRADEEP KERKETTA	HEAD CONSTABLE
143.	DINESH KUMAR MANDAL	CONSTABLE
144.	MANIK ROY	CONSTABLE
145.	MUKESH KUMAR GURJAR	CONSTABLE

S.No.	Name (Late)	Rank
	FS, CD&HG	
146.	SONY S KUMAR	FIRE & RESCUE OFFICER
	RPF	
147.	OM PRAKASH MEENA	INSPECTOR
148.	SRIPATI BASUKI	HEAD CONSTABLE
149.	PREM KISHORE MISHRA	HEAD CONSTABLE
150.	ARUN KUMAR SINGH	HEAD CONSTABLE
151.	RAM ASARAY SAROJ	CONSTABLE
152.	ASHOK KUMAR LEEL	CONSTABLE
153.	DHARMENDRA KUMAR	CONSTABLE
154.	LOKESH KUMAR	CONSTABLE

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by

Sri. S.N. Singh

ADG (Rtd)

'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

पुलिस स्मृति दिवस-2025

के अवसर पर पुलिस लाइन्स, लखनऊ में आयोजित पुलिस स्मृति परेड



21 अक्टूबर, 1959 स्मृतिका
उत्तरी लद्दाख सीमा



केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक
National Police Memorial



राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ